Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 18-08-2006

Participants : Singh Shri Ganesh

an>

Title : Need to develop Bansagar Project of Satna in Madhya Pradesh as a tourist spot.

श्री गणेश सिंह (सतना) : सभापति महोदय, मुझे सदन को यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 28 वर्ा पहले बाणसागर बहुउद्देशीय परियोजना का शिलान्यास हुआ था। इसका शिलान्यास माननीय मोरारजी भाई देसाई, तत्कालीन प्रधान मंत्री ने किया था। वह परियोजना अब पूरी हो गई है। इसकी सूचना मैं सदन को दे रहा हूं और उस सर्किल को टूरिस्ट सर्किट में शामिल करने की मांग करता हूं।

महोदय, मध्य प्रदेश के सतना, शहडोल जिले की सीमा में सोन नदी पर बहुउद्देशीय बाणसागर परियोजना, जिसका शिलान्यास 14 मई, 1978 को तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री मोरार जी भाई देसाई ने किया था। वह परियोजना 28 वर्ा बाद 1265 सौ करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हो गई है। उक्त परियोजना से 425 मेगावाट बिजली का उत्पादन तथा 1,54,887 हैक्टेअर भूमि की सिंचाई का कार्य होगा। उक्त परियोजना का कार्य उत्तर प्रदेश, बिहार एवं मध्य प्रदेश के संयुक्त प्रयासों से पूरा हुआ है और तीन राज्यों को इस बहुउद्देशीय बाणसागर परियोजना से लाभ मिलेगा। उक्त परियोजना में 336 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें 79 गांव पूरी तरह से डूब गये तथा 36421 परिवार इस परियोजना से प्रभावित हुए हैं। इस परियोजना में 98408 हैक्टेअर भूमि डूबी हुई हैं, जहां पानी भरा हुआ है। इस परियोजना में मेरे संसदीय क्षेत्र के सतना के 175 गांव, जिनमें 48 गांव पूरी तरह से डूब गये हैं, कटनी जिले के 55 गांव, जिनमें छः पूरी तरह से डूब गये हैं, शेा शहडोल जिले के 69 गांव, जिनमें से 22 गांव पूरी तरह से डूब गये हैं और उमरिया जिले के 37 गांव, जिनमें 3 गांव पूरी तरह से डूबे हुए हैं। इस परियोजना से सीधी जिले की 21714 हैक्टेअर, सतना जिले की 26370 हैक्टेअर तथा रीवा जिले की 102556 हैक्टेअर भूमि की सिंचाई होगी।

उक्त क्षेत्र को एक पर्यटन के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। चारों तरफ से बाणसागर के पानी को पहाड़ों ने रोक रखा है और बीचों-बीच में कई पहाड़ियां हैं, जो बहुत ही आर्काक बनी हुई हैं। मैं सदन के माध्यम से देश के समस्त पर्यटक एजेन्सियों से तथा भारत सरकार के पर्यटन विभाग से अपील करता हूं कि उक्त स्थल का निरीक्षण करें तथा उसे टूरिस्ट मैप में जोड़ने का काम करें। उक्त स्थल नेशनल हाइवे क्रमांक -7 रीवा से 58 किलोमीटर की दूरी पर, सतना से 100 किलोमीटर, शहडोल से 105 किलोमीटर, रीवा-शहडोल रोड पर देवलोंद नामक स्थान पर उक्त बांध का निर्माण हुआ है। यहां से बांधवगढ़, जो दुनिया में सफेद शेर पाये जाने का एकमात्र स्थान है, खजुराहो, चित्रकूट, सतना, भरहुत, पन्ना, राट्रीय उद्यान मैहर, गिद्धकोट रामनगर, रामवन, बाणसागर, अमरकंटक होते हुए बनारस को एक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जा सकता है।

मैं आपके माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने उक्त परियोजना का कार्य कठिन परिस्थितियों में पूरा कराने में योगदान किया है। इसके लिए मैं वहां के मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं।

18.08 hrs.